

>

**Title: Need to take steps to check the soil erosion caused by river Ganges in Buxar and its lower areas in Bihar.**

**श्री जगदानंद सिंह (बवरसर):** सभापति जी, संयोगवश इसी विषय से जुड़ा हुआ मेरा भी प्रृण है। जब उत्तर प्रदेश की सीमा खत्म होती है और बिहार की सीमा शुरू होती है, बवरसर में गंगा का प्रवेश बिहार की सीमा पर होता है। आज बवरसर से तोकर नीचे सारे इताके में भयानक कटाव हो रहा है। गांव कट रहे हैं और शहर भी कट रहे हैं। ये तो गंगाजल के जीविकोपार्जन के साधन हैं, वे समाप्त हो रहे हैं और गांवों के लोग विश्वासित हो रहे हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कठना चाहता हूँ कि 1972 में गंगा पलड कंट्रोल कमीशन का निर्माण हुआ था।

## **18.00 hrs.**

गंगा बेसिन की सारी नदियों के इंतजाम के लिए, कटाव रोकने के लिए...

**सभापति मठोदय :** श्रीमान जी, एक मिनट रुक जाए। छह बज गए हैं और जब तक ज़ीरो ऑवर समाप्त नहीं होता, तब तक हम समय बढ़ा रहे हैं। धन्यवाद। आगे शुरू कीजिए।

**श्री जगदानंद सिंह :** मठोदय, भारत सरकार ने गंगा पलड कंट्रोल कमीशन की स्थापना सन् 1972 में की थी। गंगा बेसिन की समस्या को देखकर इस कमीशन की स्थापना हुई थी। गंगा पलड कंट्रोल ने रिवर पलड मैनेजमेंट के लिए, एन्टीइरोज़न को रोकने के लिए 22 नदियों का डिटेल प्रोजेक्ट भारत सरकार के सामने रखा है। मठोदय, 11वीं पंचवर्षीय योजना में 5200 करोड़ रुपये इस कार्य के लिए रखे गए थे। सरन को बाद होना कि 11वीं पंचवर्षीय योजना बीतने जा रही है। मैं इसलिए कठ रहा हूँ कि अभी बरसात शुरू है, बरसात के बाद एन्टीइरोज़न और पलड मैनेजमेंट के कोई काम नहीं होंगे। सारा समय समाप्त हो गया और केवल 2600 करोड़ रुपये इस कार्य में तगे हैं। इतने बड़े भू-भाग पर इतनी बड़ी त्रासदी, इतना भयंकर गंगा का आकृमण, गांवों का विश्वासन, जीविकोपार्जन के साधन का खत्म होना, वाहे उमरपुर हो, मझस्थिर गांव हो, बवरसर हो या बवरसर का किला हो।

मठोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि

**सभापति मठोदय :** संक्षिप्त करें, संक्षिप्त करें।

**श्री जगदानंद सिंह :** 11वीं पंचवर्षीय योजना की आधी राशि का व्यय नहीं होना और बिहार के जिम्मे जहाँ 1800 करोड़ रुपयों में से 900 करोड़ रुपये मिलने हैं, उसें से बिहार की सरकार ने केवल 500 करोड़ रुपये छी खर्च किए हैं। शेष राशि बची पड़ी रह जाती है और समस्या बनी रहती है, ग्रामीणों का विश्वासन हो रहा है।

**सभापति मठोदय :** आपकी जो डिमाण्ड है, वह बताइए।

**श्री जगदानंद सिंह :** सभापति मठोदय, मैं यहीं कठना चाहता हूँ कि भारत सरकार इस पर ध्यान दे। गंगा पलड कंट्रोल को और एविटॉप करें। 12वीं योजना शुरू होने जा रही है, उसके लिए अधिक धनराशि रखें। इतने बड़े भू-भाग की समस्या और भयंकर त्रासदी को दूर करें।

**सभापति मठोदय :** श्री मठाबली सिंह जी।

**श्री जगदानंद सिंह :** मठोदय, मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूँ।

**सभापति मठोदय :** यह डिवेट नहीं है, आपने अपनी बात कठ रही है।

**श्री जगदानंद सिंह :** भारत सरकार का कथन है कि नेपाल, भूटान और चीन से बाढ़ के गैजेजमेंट के लिए वार्ता कर रही है। लेकिन मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि भारतवर्ष के भीतर जितने भी जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है, उनमें पलड वर्षाशन की व्यवस्था की जाए, डिस्चार्ज को कंट्रोल किया जाए।

**सभापति मठोदय :** यह रिकार्ड नहीं होगा।

...(त्वचान) \*

मठाबली सिंह जी, आप बोलिए।

**श्री हुवमदेव नारायण यादव (मधुबनी):** मठोदय, मैं अपने आपको श्री जगदानंद सिंह जी के विषय के साथ संबद्ध करना चाहता हूँ।

